



राष्ट्रीय न्यायिक डेटा ग्रिड

संदर्भ: इस लेख का उल्लेख पीआईबी वेबसाइट पर किया गया था।

- राष्ट्रीय न्यायिक डेटा ग्रिड (एनजेडीजी) ई-कोर्ट परियोजना के तहत एक ऑनलाइन मंच है।
- यह जिला और अधीनस्थ न्यायालयों और उच्च न्यायालयों के आदेशों, निर्णयों और मामले के विवरण के लिए एक डेटाबेस के रूप में कार्य करता है।
- कनेक्टेड अदालतों द्वारा जानकारी लगभग वास्तविक समय में अपडेट की जाती है।
- एनजेडीजी में 18,735 जिला एवं अधीनस्थ न्यायालय और उच्च न्यायालय शामिल हैं।
- यह देश भर की कम्प्यूटरीकृत अदालतों से न्यायिक कार्यवाही पर डेटा प्रदान करता है।
- सभी उच्च न्यायालय एनजेडीजी का हिस्सा हैं, जो जनता तक आसान पहुंच प्रदान करते हैं।
- प्लेटफॉर्म कुशल खोज और पुनर्प्राप्ति के लिए इलास्टिक खोज तकनीक का उपयोग करता है।
- वादी 23.58 करोड़ से अधिक मामलों और 22.56 करोड़ आदेशों/निर्णयों के मामले की स्थिति की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।
- डेटा में दीवानी और आपराधिक दोनों मामले शामिल हैं।
- मामले की उम्र, राज्य और जिले के आधार पर ड्रिल-डाउन विश्लेषण संभव है।
- एनजेडीजी लंबित मामलों को प्रबंधित करने और कम करने के लिए एक निगरानी उपकरण के रूप में कार्य करता है।
- यह समय पर मामले के निपटान के लिए नीतिगत निर्णय लेने में सहायता करता है।
- यह प्लेटफॉर्म बेहतर अदालती प्रदर्शन निगरानी और संसाधन प्रबंधन की सुविधा प्रदान करता है।
- भूमि विवाद मामलों पर नज़र रखने के लिए 26 राज्यों के भूमि रिकॉर्ड डेटा को एनजेडीजी के साथ जोड़ा गया है।

ई-कोर्ट प्रोजेक्ट में नेटवर्क एकीकरण

➤ ई-कोर्ट के अंतर्गत वाइड एरिया नेटवर्क (डब्ल्यूएन) परियोजना:

- ओएफसी, आरएफ और वीएसएटी जैसी प्रौद्योगिकियों का उपयोग करके देश भर के जिला और अधीनस्थ अदालत परिसरों को जोड़ने का लक्ष्य है।
- मार्च 2023 तक 2992 साइटों में से 2976 साइटें चालू हो गईं (99.5% पूर्णता दर)।
- 10 एमबीपीएस से 100 एमबीपीएस तक बैंडविड्थ गति प्रदान करता है, जो ई-कोर्ट परियोजना के लिए एक मजबूत आधार बनाता है।

➤ कम्प्यूटरीकरण और WAN कनेक्टिविटी:

- आरएफ, वीएसएटी और सबमरीन केबल जैसी विधियों के माध्यम से दूरस्थ अदालतों (तकनीकी रूप से व्यवहार्य नहीं - टीएनएफ साइट्स) तक कनेक्टिविटी बढ़ाता है।
- हितधारकों के साथ सफल सहयोग TNF साइटों को 58 (2019) से घटाकर 1 (2022) कर देता है।
- यह उपलब्धि सरकार के लिए 95.45 करोड़ रुपये की बचत करती है।
- शेष 11 साइटों के लिए कार्यादेश जारी किया गया।
- COVID-19 अवधि के दौरान WAN कनेक्टिविटी विशेष रूप से महत्वपूर्ण हो गई है, जिससे वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग और न्याय तक पहुंच में सुधार हुआ है।

आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन (एबीडीएम)

संदर्भ: राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण द्वारा 100 माइक्रोसाइट्स परियोजना के हिस्से के रूप में शुरू की गई एबीडीएम माइक्रोसाइट का उद्घाटन आइजोल, मिजोरम में किया गया है।

- राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण (एनएचए) ने देश भर में आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन (एबीडीएम) को तेजी से अपनाने के लिए 100 माइक्रोसाइट्स परियोजना की शुरुआत की।
- मिजोरम अपनी राजधानी आइजोल में एबीडीएम माइक्रोसाइट को सक्रिय करने वाला भारत का पहला राज्य बन गया है।
- इस पहल का उद्देश्य निजी क्लीनिकों, छोटे अस्पतालों और प्रयोगशालाओं सहित स्वास्थ्य सुविधाओं को डिजिटल बनाना है, जो मरीजों को डिजिटल स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करते हैं।
- माइक्रोसाइट्स छोटे स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं को नामांकित करने पर ध्यान केंद्रित करते हैं, जिनकी देखरेख मुख्य रूप से एनएचए की वित्तीय सहायता से एबीडीएम के राज्य मिशन निदेशक करते हैं।
- मरीज अपने फोन पर एबीडीएम-सक्षम व्यक्तिगत स्वास्थ्य रिकॉर्ड (पीएचआर) एप्लिकेशन के माध्यम से स्वास्थ्य रिकॉर्ड को आयुष्मान भारत स्वास्थ्य खातों (एबीएचए) से जोड़ सकते हैं।
- मुंबई, अहमदाबाद और सूरत में एनएचए के पिछले माइक्रोसाइट्स पायलटों ने एबीडीएम के तहत 100 माइक्रोसाइट्स परियोजना की संरचना की जानकारी दी।

एबीडीएम

- इसे सितंबर 2021 में प्रधान मंत्री द्वारा वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से लॉन्च किया गया।
- लक्ष्य: सभी भारतीयों के लिए डिजिटल स्वास्थ्य आईडी जारी करना, अस्पतालों, बीमा कंपनियों और नागरिकों के लिए स्वास्थ्य रिकॉर्ड तक इलेक्ट्रॉनिक पहुंच की सुविधा प्रदान करना।
- 15 अगस्त 2020 को प्रधानमंत्री द्वारा लाल किले से पायलट प्रोजेक्ट की घोषणा की गई।
- इसका छह राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में प्रारंभिक कार्यान्वयन शुरू होगा।
- इसे स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के तहत राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण (एनएचए) द्वारा कार्यान्वित किया जायेगा।
- विशेषताएँ:

• ओ एबीडीएम सैंडबॉक्स:

- यह तकनीक और उत्पाद परीक्षण का समर्थन करता है।
- यह निजी संस्थाओं को डिजिटल स्वास्थ्य प्रणाली में शामिल होने में सहायता करता है।

Face to Face Centres





24 August, 2023

- **आभा मोबाइल ऐप (आयुष्मान भारत स्वास्थ्य खाता):**
 - यह स्वास्थ्य रिकॉर्ड, सार्वजनिक स्वास्थ्य, बीमा और ABHA संख्या को एकीकृत करता है।
 - यह सुविधाजनक रिकॉर्ड पहुंच प्रदान करता है।
- **आयुष्मान भारत स्वास्थ्य खाता संख्या (एबीएचए नंबर):**
 - यह स्वास्थ्य रिकॉर्ड के लिए व्यक्तियों की पहचान और प्रमाणीकरण करता है।
 - यह रोगी की सहमति से सभी प्रणालियों में काम करता है।
 - यह जनसांख्यिकी, परिवार और संपर्क जानकारी जैसे प्रमुख विवरण एकत्र करता है।
- **स्वास्थ्य सुविधा रजिस्ट्री (एचएफआर):**
 - यह घरों में विभिन्न स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करता है।
 - इसमें अस्पताल, क्लीनिक, लैब, फार्मेशियों जैसे सार्वजनिक/निजी स्थान शामिल हैं।
 - यह पंजीकरण और भारत के डिजिटल स्वास्थ्य नेटवर्क से जुड़ता है।
- **हेल्थकेयर प्रोफेशनल्स रजिस्ट्री (एचपीआर):**
 - यह विविध स्वास्थ्य देखभाल पेशेवरों को संग्रहीत करता है।
 - भारत की डिजिटल स्वास्थ्य प्रणाली से जुड़ना।
- **एकीकृत स्वास्थ्य इंटरफेस (UHI):**
 - यह उपयोगकर्ता और प्रदाता ऐप्स के लिए खुला नेटवर्क बनाता है।
 - यह बुकिंग, टेली-परामर्श और खोज जैसी सेवाओं को सक्षम बनाता है।

व्हाइट शिपिंग सूचना विनिमय पर एसओपी

संदर्भ: भारतीय नौसेना और फिलीपीन तट रक्षक के बीच श्वेत शिपिंग सूचना विनिमय समझौते पर हस्ताक्षर किए गए हैं।

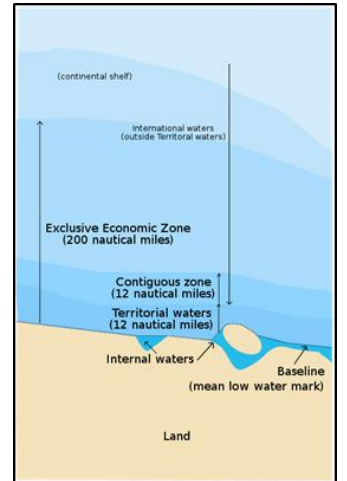
- नौसेना स्टाफ के प्रमुख एडमिरल आर. हरि कुमार और फिलीपीन तट रक्षक के कमांडेंट सीजी एडमिरल आर्टेमियो एम. अबू ने 23 अगस्त, 2023 को व्हाइट शिपिंग सूचना विनिमय के लिए मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) पर हस्ताक्षर किए।
- फिलीपीन तट रक्षक बल के कमांडेंट की भारत यात्रा के दौरान नई दिल्ली में हस्ताक्षर किए गए।
- यह समझौता मर्चेंट शिपिंग ट्रैफिक डेटा के आदान-प्रदान को सक्षम बनाता है, जिससे क्षेत्र में समुद्री सुरक्षा और सुरक्षा बढ़ती है।

व्हाइट शिपिंग समझौते की परिभाषा

- इसमें व्हाइट शिपिंग जानकारी में गैर-सैन्य व्यापारी जहाजों की गतिविधियों और पहचान के बारे में उन्नत डेटा साझा करना शामिल है।
- इसके तहत पहचान में सहायता के लिए जहाजों को सफेद (वाणिज्यिक), ग्रे (सैन्य), और काला (अवैध) के रूप में वर्गीकृत किया गया है।

व्हाइट शिपिंग समझौते का महत्व

- यह वैश्विक महासागर कनेक्टिविटी, सुरक्षा खतरों और संभावित आंदोलनों को संबोधित करने के कारण महत्वपूर्ण है।
- यह समुद्री खतरों का मुकाबला करने के लिए जहाज की पहचान की जानकारी प्रदान करके सुरक्षा सुनिश्चित करता है।
- यह क्षेत्रीय समुद्री डोमेन जागरूकता को बढ़ाता है, सुरक्षा उपायों में योगदान देता है।
- यह गंतव्यों और नियोजित मार्गों के पूर्व ज्ञान के माध्यम से अवैध जहाजों की पहचान करने में सक्षम बनाता है।



फुजिन्हारा प्रभाव

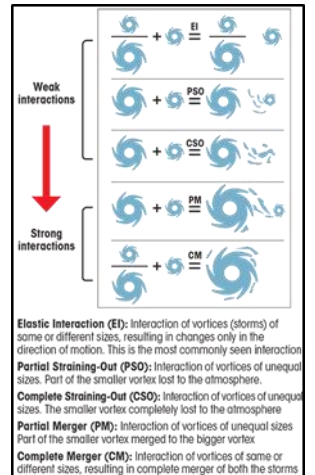
संदर्भ: उपोष्णकटिबंधीय तूफान हिलेरी ने अमेरिका के पश्चिमी तट से टकराया, जिससे राष्ट्रीय तूफान केंद्र (एनएचसी) द्वारा दक्षिणी कैलिफोर्निया के कुछ हिस्सों में वर्ष का पहला उष्णकटिबंधीय तूफान देखा गया।

परिभाषा: फुजिन्हारा प्रभाव में एक ही महासागर क्षेत्र में एक साथ बनने वाले उष्णकटिबंधीय तूफानों के बीच परस्पर क्रिया शामिल है। इन तूफानों के केंद्र या आंखें एक दूसरे से 1,400 किमी से कम दूरी पर स्थित होती हैं। इन तूफानों की तीव्रता अलग-अलग हो सकती है, 63 किमी प्रति घंटे से कम हवा की गति वाले अवसाद से लेकर 209 किमी प्रति घंटे से अधिक की हवा की गति वाले सुपर टाइफून तक।

- जब दो तूफान (या चक्रवात) एक साथ करीब आते हैं, तो वे एक साझा केंद्र के चारों ओर एक जटिल क्रिया में संलग्न होते हैं।
- राष्ट्रीय मौसम सेवा (एनडब्ल्यूएस) द्वारा वर्णित, इस इंटरैक्शन के परिणामस्वरूप आकर्षक चक्रवात व्यवहार होता है।
- यदि एक तूफान अधिक मजबूत है, तो छोटा तूफान परिक्रमा करता है और अंततः बड़े तूफान के भंवर में विलीन हो जाता है।
- समान-शक्ति वाले तूफान अलग होने से पहले एक साथ गुरुत्वाकर्षण, विलय या एक-दूसरे के चारों ओर घूम सकते हैं।
- जब कभी, तीव्र चक्रवात आपस में मिलते हैं, तो एक विशाल चक्रवात बनता है जो तटीय खतरों पैदा करता है।
- जापानी मौसम विज्ञानी सकुहेई फुजिवारा ने इस घटना की पहचान की।
- इसे पहली बार 1964 में देखा गया जब टाइफून मैरी और कैथी पश्चिमी प्रशांत महासागर में विलीन हो गए।

फुजिन्हारा प्रभाव विभिन्न तरीकों से हो सकता है

- **इलास्टिक इंटरैक्शन:** गति की दिशा बदलती है, एक सामान्य इंटरैक्शन जिसके लिए बारीकी से जांच की आवश्यकता होती है।




Face to Face Centres





- **आंशिक स्ट्रेनिंग आउट:** इसमें छोटे तूफान का एक हिस्सा वायुमंडल में खो जाता है।
- **पूर्ण तनाव से बाहर:** समान ताकत वाले तूफानों को छोड़कर, छोटा तूफान पूरी तरह से वायुमंडल में खो जाता है।
- **आंशिक विलय:** छोटा तूफान बड़े तूफान में विलीन हो जाता है।
- **पूर्ण विलय:** समान शक्ति के दो तूफान पूर्ण विलय से गुजरते हैं।

NEWS IN BETWEEN THE LINES

<p>नई कार मूल्यांकन कार्यक्रम</p> 	<p>सड़क परिवहन मंत्रालय ने कार दुर्घटना परीक्षण के लिए भारत न्यू कार असेसमेंट प्रोग्राम (भारत NCAP) लॉन्च किया। इसमें दुर्घटना सुरक्षा का संकेत देने वाली कारों की रेटिंग 1 से 5 स्टार तक है। यह 1 अक्टूबर, 2023 से प्रभावी होगी।</p> <p>स्वैच्छिक रेटिंग: यह मानक 8 सीटों तक के वाहनों पर लागू होता है, जिनका वजन 3,500 किलोग्राम से कम है।</p> <p>पैरामीटर्स का मूल्यांकन:</p> <ul style="list-style-type: none"> ➤ यह वयस्क एवं बाल अधिवासी संरक्षण दर और सुरक्षा सहायता तकनीक जैसे पैरामीटर्स का उपयोग करता है। ➤ इसके परीक्षणों में फ्रंटल ऑफसेट, साइड इम्पैक्ट, पोल-साइड इम्पैक्ट शामिल हैं। <p>अनिवार्य परीक्षण मामले:</p> <ul style="list-style-type: none"> ➤ लोकप्रिय संस्करण के बेस मॉडल (न्यूनतम 30,000 बिक्री) के लिए स्वैच्छिक लेकिन अनिवार्य या सुरक्षा के लिए मंत्रालय की सिफारिश पर लागू होते हैं। <p>कार्यक्रम का लक्ष्य:</p> <ul style="list-style-type: none"> ➤ इसका लक्ष्य खरीदारों को सुरक्षा के बारे में सूचित करना और सुरक्षित कारों की मांग को बढ़ावा देना है। ➤ एक अन्य लक्ष्य सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाना है क्योंकि, भारत में सड़क दुर्घटनाओं में मृत्यु दर अधिक है, जिसका असर अर्थव्यवस्था पर पड़ रहा है। <p>वैश्विक एनसीएपी कनेक्शन:</p> <ul style="list-style-type: none"> ➤ भारत एनसीएपी, ग्लोबल एनसीएपी पर आधारित है। ➤ स्वतंत्र त्रैश परीक्षणों के लिए 2014 में "भारत के लिए सुरक्षित कारों" अभियान शुरू किया गया।
<p>वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद</p> 	<p>स्थापना: सितंबर 1942 मुख्यालय: नई दिल्ली।</p> <ul style="list-style-type: none"> ➤ यह सोसायटी पंजीकरण अधिनियम, 1860 के तहत एक स्वायत्त निकाय के रूप में कार्य करता है। ➤ इसमें 37 राष्ट्रीय प्रयोगशालाएँ, 39 आउटरीच केंद्र, 3 इनोवेशन कॉम्प्लेक्स और 5 इकाइयाँ शामिल हैं। ➤ इसमें जीनोमिक्स से लेकर वैमानिकी तक के विविध क्षेत्र शामिल हैं। ➤ यह स्वास्थ्य, पर्यावरण, ऊर्जा, कृषि आदि में सामाजिक आवश्यकताओं पर ध्यान केंद्रित करता है। ➤ इसकी संरचना में महानिदेशक की अध्यक्षता में पदेन और अन्य सदस्य शामिल होते हैं। ➤ इसका उद्देश्य वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान को बढ़ावा देना और समन्वय करना है।
<p>राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा</p> 	<p>राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा क्या है?</p> <p>राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा (एनसीएफ) भारत में राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) द्वारा तैयार किया गया एक व्यापक दस्तावेज है।</p> <p>मंत्रालय: केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय</p> <p>उद्देश्य: एनसीएफ शैक्षिक नीतियों और पाठ्यक्रम विकास का मार्गदर्शन करता है।</p> <p>भाषाएँ:</p> <ul style="list-style-type: none"> ➤ कक्षा 9 और 10: तीन भाषाएँ सीखें, जिनमें से दो भारतीय हैं। ➤ कक्षा 11 और 12: दो भाषाओं का अध्ययन करें, एक भारतीय मूल की। <p>भाषाई दक्षता: कम से कम एक भारतीय भाषा में "साहित्यिक स्तर" की भाषाई क्षमता हासिल करने का लक्ष्य।</p> <p>बोर्ड परीक्षा: छात्र वर्ष में दो बार बोर्ड परीक्षा दे सकते हैं।</p> <p>रिलीज़ और ड्राफ्टिंग: एनसीईआरटी द्वारा जारी, के. कस्तूरीरंगन के नेतृत्व वाली समिति द्वारा तैयार किया गया।</p> <p>एनईपी 2020 के साथ संरेखण: एनसीएफ राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के दिशानिर्देशों का पालन करता है।</p> <p>विषय संरचना: एनसीएफ अनिवार्य विषयों में वृद्धि को अनिवार्य करता है, जिसमें कक्षा 9 और 10 के लिए सात और कक्षा 11 और 12 के लिए छह विषय शामिल हैं, जबकि इसमें वैकल्पिक विषयों की भी शुरुआत की गई है।</p>
<p>अख़ मिसाइल</p> 	<p>प्रकार और उद्देश्य:</p> <ul style="list-style-type: none"> ➤ अख़ एक स्वदेशी दृश्य-सीमा से परे हवा से हवा में मार करने वाली मिसाइल (BVRAAM) है। ➤ इसे तेज़ गति से चलने वाले सुपरसोनिक हवाई लक्ष्य को संलग्न कर उसे नष्ट करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। <p>परीक्षण फायरिंग: हाल ही में गोवा के तट पर तेज़स विमान से इसका परीक्षण किया गया।</p> <p>परिशुद्धता और ऊंचाई:</p> <ul style="list-style-type: none"> ➤ इसे लगभग 20,000 फीट की ऊंचाई पर लॉन्च किया गया। ➤ इस परीक्षण ने त्रुटिहीन प्रक्षेपण के साथ अपने सभी उद्देश्यों को पूरा किया। <p>सहयोग: परीक्षण की निगरानी एयरोनॉटिकल डेवलपमेंट एजेंसी (एडीए), डीआरडीओ, एचएएल और अन्य संबंधित संगठनों द्वारा की गई।</p> <p>लक्ष्य क्षमता: दृश्य सीमा से परे अख़, फुर्तिले सुपरसोनिक लक्ष्यों को भेदने में सक्षम है।</p> <p>सामरिक महत्व: स्वदेशी रक्षा प्रौद्योगिकी में भारत की प्रगति को दर्शाता है।</p>

Face to Face Centres





<p>डेमोन कण</p> 	<p>डेमोन कण क्या है?</p> <ul style="list-style-type: none"> ➤ "डेमोन कण" एक सैद्धांतिक अवधारणा है जिसकी भविष्यवाणी भौतिक विज्ञानी डेविड पाइंस ने 1956 में की थी। ➤ पाइंस ने प्रस्तावित किया कि ठोस पदार्थों से गुजरने वाले इलेक्ट्रॉन फॉल का कारण बन सकते हैं और एक नए प्रकार के कण, "डेमोन कण" का निर्माण करते हैं। ➤ ये कण द्रव्यमान रहित, आवेश रहित और प्रकाश के प्रति पारदर्शी होते हैं। <p>अतिचालकता:</p> <ul style="list-style-type: none"> ➤ अतिचालकता विद्युत आवेश को शून्य प्रतिरोध वाली सामग्री के माध्यम से स्थानांतरित करने की अनुमति देती है। ➤ सबसे पहले इसकी खोज 1911 में भौतिक विज्ञानी हेइके कामेरलिंग ओन्स ने की थी, जिसमें बेहद कम तापमान पर पारे के प्रतिरोध में गिरावट देखी गई थी। <p>मीस्टर-ओक्सेनफेल्ड प्रभाव:</p> <ul style="list-style-type: none"> ➤ सुपरकंडक्टिंग स्थिति में होने पर सुपरकंडक्टर्स अपने अंदरूनी हिस्सों में चुंबकीय क्षेत्र को पीछे हटा देते हैं। ➤ इसे मीस्टर-ओक्सेनफेल्ड प्रभाव के रूप में जाना जाता है, जो चुंबकीय उत्तोलन का कारण बनता है।
<p>समाचारों में स्थान</p> <p>चांके का बंदरगाह</p>	<p>हाल ही में, लैटिन अमेरिका में चीन की प्रमुख बंदरगाह परियोजना के हिस्से के रूप में पेरू के तट पर एक विशाल क्षेत्र में मिट्टी को संकुचित करने के लिए दर्जनों क्रेन का उपयोग किया जा रहा है। लीमा के निकट चैंके बंदरगाह का उद्देश्य दक्षिण अमेरिका और एशिया के बीच व्यापार को बढ़ाना है।</p> <p>अवस्थिति: यह पेरू के प्रशांत तट पर पेरू की राजधानी लीमा से लगभग 60 किलोमीटर उत्तर में स्थित है।</p> <p>उद्देश्य और महत्व:</p> <ul style="list-style-type: none"> ➤ लैटिन अमेरिका में चीन की महत्वाकांक्षी बंदरगाह परियोजना। ➤ इसका उद्देश्य दक्षिण अमेरिका और एशिया के बीच व्यापार को सुविधाजनक बनाना है। ➤ इसे "दक्षिण अमेरिका से एशिया का प्रवेश द्वार" के रूप में नामित किया गया है। <p>स्वामित्व:</p> <ul style="list-style-type: none"> ➤ प्राधिकार: COSCO शिपिंग, एक चीनी राज्य के स्वामित्व वाली कंपनी। ➤ चीन के बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (बीआरआई) का हिस्सा। <p>परियोजना विवरण:</p> <ul style="list-style-type: none"> ➤ परियोजना लागत: \$1.3 बिलियन। ➤ उन कंटेनर जहाजों को संभालने की परिकल्पना की गई है जो अन्य दक्षिण अमेरिकी बंदरगाहों में डॉक नहीं कर सकते हैं। ➤ चीन के लिए सीधा व्यापार मार्ग प्रदान करता है, जिससे यात्रा का समय 10 दिन कम हो जाता है। 
<p>समाचार में व्यक्तित्व</p> <p>कल्यामपुडी राधाकृष्ण राव</p>	<p>कल्यामपुडी राधाकृष्ण राव के बारे में: सांख्यिकी के क्षेत्र में अपने योगदान के लिए प्रसिद्ध प्रख्यात सांख्यिकीविद् कल्यामपुडी राधाकृष्ण राव का जन्म 10 सितंबर, 1920 को कर्नाटक के हदगली में हुआ था और वह एक तेलुगु परिवार से थे।</p> <p>शैक्षणिक यात्रा:</p> <ul style="list-style-type: none"> ➤ प्रारंभिक वर्षों के दौरान आईएसआई में शामिल हुए और एक विशिष्ट विषय के रूप में सांख्यिकी के विकास में योगदान दिया। ➤ रोनाल्ड फिशर की देखरेख में कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय से डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त की। <p>विरासत और प्रभाव:</p> <ul style="list-style-type: none"> ➤ छात्रों और शोधकर्ताओं की पीढ़ियों के लिए एक प्रेरणा के रूप में सेवा की, उनके करियर को आकार दिया। ➤ सांख्यिकीय शिक्षण संस्थान के रूप में आईएसआई के विकास का अभिन्न अंग। ➤ इसने पूरे भारत में सांख्यिकीय ब्यूरो की स्थापना में योगदान दिया। <p>सम्मान और मान्यताएँ:</p> <ul style="list-style-type: none"> ➤ भारत के सर्वोच्च नागरिक सम्मान: पद्म भूषण (1969) और पद्म विभूषण (2001) सहित कई पुरस्कार और सम्मान प्राप्त हुए। ➤ पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति जॉर्ज बुश ने राष्ट्रीय विज्ञान पदक से सम्मानित किया। 

POINTS TO PONDER

- ❖ मिशन चंद्रयान 3 के दौरान लैंडर द्वारा ले जाए गए रोवर का नाम क्या था? - प्रज्ञान (Pragyan)
- ❖ शिशुओं की सुरक्षा के लिए किस अभूतपूर्व टीके को FDA की मंजूरी मिली? - एब्रिस्वो
- ❖ कौन सी कंपनी 'भारत का पहला केरोसिन-ऑक्सीजन-संचालित रॉकेट' लॉन्च कर रही है? - अमिकुल कॉसमॉस
- ❖ सचिन तेंदुलकर ने भारत के चुनाव आयोग में क्या भूमिका निभाई है? - राष्ट्रीय मतदाता जागरूकता दूत
- ❖ मैत्री सेतु के निर्माण की देखरेख किसने की? - एनएचआईडीसीएल

Face to Face Centres

